200 मेगावॉट विंड पावर की खरीद के लिए बीएसईएस ने किया सेकी से समझौता

बीएसईएस के पावर–बकेट में अब 600 मेगावॉट विंड पावर

नई दिल्लीः 3 जनवरी। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और ग्रीन फ्यूचर के कॉन्सेप्ट को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बीएसईएस ने 200 मेगावॉट विंड पावर की खरीद के लिए सेकी यानी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ एक समझौता किया है। विंड पावर, बिजली के सर्वाधिक स्वच्छ व पर्यावरण–फ्रेंडली माध्यमों में से एक है, क्योंकि यह हवा से बनती है।

इस समझौते के तहत, बीएसईएस को 2020–21 से यह 200 मेगावॉट विंड पावर मिलनी शुरू हो जाएगी और अगले 25 वर्षों तक मिलती रहेगी। खास बात यह है कि यह विंड पावर बीएसईएस को काफी कम कीमत पर मिलेगी। सिर्फ 2.84 रूपये प्रति यूनिट की दर से बीएसईएस को यह विंड पावर दी जाएगी। यह दर, लंबी अवधि के लिए किए गए बिजली खरीद समझौतों की औसत दर से भी काफी कम है। लंबी अवधि के लिए किए गए बिजली खरीद समझौतों की औसत दर 4.5 रूपये प्रति यूनिट है, जबकि यह विंड पावर सिर्फ 2.48 रूपये प्रति यूनिट की दर पर उपलब्ध होगी। डिस्कॉम्स को कम दरों पर बिजली मिलने से उपभोक्ताओं को फायदा होगा।

इस समझौते के साथ ही बीएसईएस के पावर–बकेट में कुल 600 मेगावॉट विंड पावर हो गई है। इसमें से 50 मेगावॉट विंड पावर अक्टूबर 2018 से मिलनी शुरू हो गई है, जबकि अगले कुछ महीनों में और 50 मेगावॉट विंड पावर मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके अलावा, इसी साल नवंबर से 300 मेगावॉट अतिरिक्त विंड पावर मिलने की उम्मीद है।

अगर डिस्कॉम्स के पास परंपरागत स्रोतों से मिलने वाली बिजली के साथ–साथ विंड और सोलर पावर भी हो, तो इससे दिल्ली की पीक पावर डिमांड को सफलतापूर्वक पूरा करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में रोजाना दो बार बिजली की डिमांड उच्चतम स्तर पर पहुंचती है। तमिलनाडु और गुजरात से आने वाली यह विंड पावर, रात के वक्त बिजली की पीक डिमांड को पूरा करने में मदद करेगी। उपभोक्ताओं के लिए प्रतियोगितात्मक दरों पर बिजली की खरीद के अलावा, इस विंड पावर से बीएसईएस को डीईआरसी द्वारा तय रिन्युएबल परचेज ऑब्लिगेशंस यानी आरपीओ को पूरा करने में भी मदद मिलेगी।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, दिल्ली में अक्षय ऊर्जा के इस्तेमाल को प्रोत्साहन देने के साथ–साथ बीएसईएस इस बात के लिए भी प्रतिबद्ध है कि उपभोक्ताओं पर इस का न्यूनतम बोझ पड़े। इसीलिए, बीएसईएस सभी विकल्पों को तलाशकर, काफी कम कीमतों पर अक्षय ऊर्जा की व्यवस्था कर रही है। यह समझौता बीएसईएस द्वारा किए जा रहे ऐसी ही प्रयासों का एक उदाहरण है।

नवीन व अक्षय ऊर्जा मंत्रालय की योजना के तहत बीएसईएस को यह बिजली मिलेगी। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा नोडल एजेंसी के तौर पर सेकी को चुना गया है। टैरिफ आधारित प्रतियोगितात्मक बिडिंग प्रक्रिया के लिए निर्धारित दिशा–निर्देशों के तहत, सेकी, ग्रिड से जुड़े विंड पावर प्रोजेक्ट्स से बिजली की खरीद के लिए इंटरमीडियरी प्रोड्यूसर यानी मध्यस्थ उत्पादक के तौर पर कार्य करेगी।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

.....